जनजातीय उपयोजना (टीएसपी) के अंतर्गत "पिंजरा जलकृषि: एक लाभदायक आजीविका विकल्प" पर जागरूकता सह प्रशिक्षण कार्यक्रम

भा कृ अनु प -केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई के जलकृषि विभाग ने जनजातीय समाज "देवमोगरा माता आदिवासी मच्छीमार सहकारी संस्था मर्या. बान्धरपाड़ा, नंदुरबार, महाराष्ट्र" के लिए जनजातीय उपयोजना (टीएसपी) के अंतर्गत "पिंजरा जलकृषि: एक लाभदायक आजीविका विकल्प" पर जागरूकता सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 13 अगस्त 2024 को किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में बान्धरपाड़ा जलाशय के आसपास के नवापुर गांव के 18 जनजातीय मछुआरों (पुरुष-18) ने भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य जलाशय में पिंजरा जलकृषि का प्रदर्शन करना था, जहां जनजातीय मछुआरे जलाशयों से मछली पकड़ने पर निर्भर हैं। कार्यक्रम का उद्घाटन संयुक्त निदेशक डॉ. एन.पी. साहू और विभागाध्यक्ष डॉ. देबजीत सरमा ने किया, जिन्होंने उन्हें इस प्रशिक्षण से गुजरने के लिए प्रोत्साहित किया और भविष्य में उनके विकास के लिए आईसीएआर-सीआईएफई, मुंबई से पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। पाठ्यक्रम समन्वयकों द्वारा प्रतिभागियों को कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम में पिंजरा जलीय कृषि के विभिन्न पहलुओं पर सिद्धांत और व्यावहारिक सत्र शामिल थे। जलाशय में पिंजरा पालन , पिंजरे का निर्माण और स्थापना, पिंजरों में पंगेसियस पालन , पिंजरों में तिलापिया पालन , पिंजरे जलीय कृषि में जल गुणवत्ता प्रबंधन, पिंजरों की जलीय कृषि में फ़ीड प्रबंधन, जलाशयों में पिंजरे की पालन का अर्थशास्त्र और पिंजरे जलीय कृषि के लिए सरकारी योजनाएं शिमिल किए गए । प्रशिक्षण कार्यक्रम का समन्वयन डॉ. माधुरी एस. पाठक, वैज्ञानिक, डॉ. कपिल सुखदाने, वैज्ञानिक और डॉ. सुखम मुनील कुमार, प्रधान वैज्ञानिक ने किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में पिंजरे की खेती के लिए आदिवासी मछुआरों को तैरते पिंजरों और जालों का वितरण भी शामिल था।

Inaugural Session

Theory Session

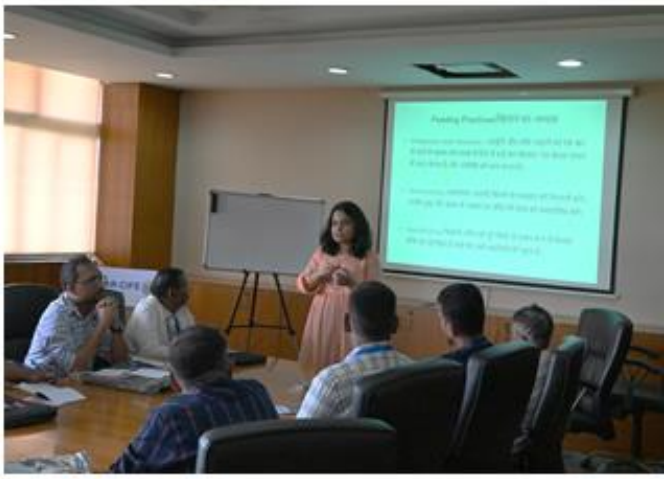

Theory Session

Practical Session

Net Distribution to the tribal fishers

Valedictory Session